भजनलाल सरकार ने प्रदूषणकारी वाहनों के लिए वाहन स्क्रैपिंग नीति बनाई

मंत्रिमंडल ने एआई हब की स्थापना व रिफायनरी की संशोधित लागत को मंजूरी दी

जयपुर, 30 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में पर्यावरण सुरक्षा, हरित एवं टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने, गवर्नेन्स, उद्योग, शिक्षा सहित, विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के उत्तरदायी, नैतिक एवं सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों के अनुमोदन और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने प्रेसवार्ता में बताया कि बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में अनुमोदित राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 प्रदेश में सड़क पर चलने में अयोग्य एवं प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाकर उन्हें वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नष्ट करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस नीति के अंतर्गत, राज्य में रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज़ (आरवीएसएफ) की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सीओडी के आधार पर नए वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 1 लाख रुपए) की छूट का लाभ भी मिल सकेगा। डॉ. बैरवा ने बताया कि कैबिनेट द्वारा अनुमोदित राजस्थान ए.आई. एम.एल. पॉलिसी-2026 प्रदेश को निवेश एवं नवाचार के उभरते केन्द्र के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मैट्रिक टन वार्षिक क्षमता की रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स परियोजना की स्थापना के कार्य में तेजी आई है और यह पूर्णता की ओर है।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि एचआरआरएल के द्वितीय संशोधित लागत मूल्य प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा राज्य हित को देखते हुए मंजूरी प्रदान की गई है।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि सप्तम राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम रिपोर्ट गत 2 सितंबर, 2025 को राज्यपाल को प्रस्तुत की गई थी। उक्त अंतरिम रिपोर्ट की अनुशंषाओं का राज्य मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया। अब इन सिफारिशों को राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- पुराना वाहन स्क्रैप करने पर नये वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक छूट मिलेगी
- वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मीट्रिक टन की रिफायनरी के स्थापना कार्य में तेजी आई है और वह अब यह पूर्णता की ओर है।

खालिदा ज़िया के निधन पर खड़गे, राहुल ने जताया शोक

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा ज़िया के निधन पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया।

खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''कांग्रेस की ओर से मैं बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने देश की राजनीतिक यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश की जनता के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।''

- खड़गे ने लिखा कांग्रेस पार्टी की तरफ से मैं बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

गांधी ने एक्स पर लिखा, ''बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे करियर के दौरान, उन्होंने बंगलादेश की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके परिवार, समर्थकों और बंगलादेश के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।''

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया का निधन

प्र.मंत्री मोदी ने बेगम ज़िया के निधन पर शोक जताया और 2015 में ढाका में उनके साथ हुई मुलाकात को याद किया

ढाका, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा ज़िया का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां निधन हो गया।

भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में 1945 में जन्मी बेगम खालिदा ज़िया गत अगस्त में 80 वर्ष की हुई थीं। वे हृदय और फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से जूझ रही थीं। उन्होंने ढाका के एवरकेयर अस्पताल में सुबह छह बजे अंतिम सांस ली, जहाँ पिछले पांच हफ्तों से उनका इलाज चल रहा था। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए एक बयान में कहा, ''बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया का आज सुबह 6:00 बजे, फज्र की नमाज के कुछ समय बाद निधन हो गया।'' उनका अंतिम संस्कार बुधवार को ढाका के मानिक मियां एवेन्यू में किया जाएगा।

बेगम ज़िया 1991 से 1996 तक और फिर 2001 से 2006 तक देश की प्रधानमंत्री रहीं। वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से इस पद को संभालने वाली देश की पहली महिला थीं। उनके पति जनरल ज़िया उर रहमान एक स्वतंत्रता सेनानी और देश के पूर्व सैन्य शासक थे। इसी महीने की शुरुआत में उनके बेटे तारिक रहमान लंबे समय के स्वघोषित निर्वासन के बाद फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों के मद्देनजर और अपनी बीमार मां के पास रहने के लिए 25 दिसंबर को ही ब्रिटेन से वापस लौटे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि भारत बंगलादेश के बीच संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, ''बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा ज़िया के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बंगलादेश के सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं। बंगलादेश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।'' मोदी ने 2015 में ढाका में उनके साथ हुई अपनी मुलाकात को भी याद किया।

बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने खालिदा ज़िया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके निधन से देश ने एक अनुभवी और संरक्षक राजनेता को खो दिया है।

निर्वासन में भारत में रह रहीं बंगलादेश अवामी लीग की अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ''राष्ट्र के लिए उनका योगदान महत्वपूर्ण था और उसे याद रखा जाएगा। उनका निधन बंगलादेश के राजनीतिक जीवन और बीएनपी के नेतृत्व के लिए एक बड़ी क्षति है।'' कभी खालिदा ज़िया की कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहीं हसीना ने कहा, ''मैं बेगम खालिदा ज़िया की आत्मा की शांति और क्षमा के लिए प्रार्थना करती हूँ और उनके बेटे तारिक रहमान तथा उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करती हूँ।''

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री भारत में रह रही निर्वासित नेता शेख हसीना ने भी खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त किया।
- खालिदा ज़िया के पुत्र रहमान जो लम्बे समय से लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे थे हाल ही में बांग्लादेश लौटे हैं।

राहुल गांधी अपनी विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, और अवीवा ने -''हां'' कहा। प्रियंका की एक 23 वर्षीय बेटी मिराया भी है।

यह माना जा रहा है कि उनकी शादी कुछ महीनों में हो सकती है।

अवीवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहते हैं। उनके पिता इमरान बेग एक व्यवसायी हैं और उनकी मां नंदिता बेग एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं।

प्रियंका गांधी और नंदिता बेग पुरानी दोस्त हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नंदिता बेग ने प्रियंका गांधी को कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के इंटीरियर डिज़ाइन में मदद की थी।

दोनों परिवार और उनके करीबी दोस्त आज सुबह रणथंभौर गए हैं, जहाँ वे नया साल मनाएंगे। राहुल गांधी, जो पहले विदेश जाने वाले थे, ने अपनी यात्रा रद्द कर दी और आज रणथंभौर पहुँचे।

सूत्रों से पता चला है कि कुछ समय पहले, एक निजी समारोह में कुछ समय पहले इन दोनों ने सगाई कर ली। रणथंभौर में और भी औपचारिक समारोह आयोजित होने की उम्मीद है, साथ ही वे राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के दर्शन भी करेंगे।

रेहान और अवीवा दोनों ही फोटोग्राफी के शौकीन हैं और इस क्षेत्र में अपनी कला का अभ्यास करते हैं।

2021 में, जूनियर वाड्रा ने अपनी पहली व्यक्तिगत प्रदर्शनी डार्क पर्सेप्शन बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आयोजित की, जिसमें उन्होंने कल्पनाशील स्वतंत्रता का विषय उठाया। यह प्रदर्शनी उनकी आँख में चोट लगने के बाद, उनके रौशनी स्थान एवं समय के अनुभवों से प्रेरित थी। यह चोट उन्हें 2017 में एक स्कूल क्रिकेट मैच के दौरान लगी थी

रेहान ने बताया, ''मैंने अपनी आंख की चोट के बाद काले और सफेद फोटो पर अधिक काम करना शुरू किया; यह अनुभव था कि लोग चीजों को किस तरह से महसूस करते हैं और अंधेरे की अवधारणा का इस्तेमाल करके रोशनी की तलाश करते हैं।

फोटोग्राफी रेहान का बचपन का शौक रहा है, जिसे उनकी मां ने प्रोत्साहित किया। उनके दादा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी फोटोग्राफी के शौकीन थे, और जूनियर वाड्रा उनके काम का अध्ययन करते हैं।

यह याद किया जा सकता है कि कुछ साल पहले मीडिया में यह रिपोर्ट्स आई थीं कि राहुल गांधी ने आधिकारिक रूप से रेहान वाड्रा को अपने बेटे के रूप में गोद लिया है, क्योंकि राहुल खुद शादीशुदा नहीं हैं और वे अपनी बहन प्रियंका और उनके बच्चों के काफी करीब हैं।

अवीवा दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से पढ़ी हैं और बाद में उन्होंने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी से मीडिया कम्युनिकेशन और जर्नलिज़्म में डिग्री हासिल की।

वे अपनी मां की तरह एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं, और साथ ही एक फोटोग्राफर और निर्माता भी हैं, जैसा कि उनके इंस्टाग्राम बायो में बताया गया है। उनका कहना है कि वे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाना चाहती हैं और अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहती हैं

पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कई प्रदर्शनियों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है, जिनमें ''यू कैन नॉट मिस दिस'' (इंडिया आर्ट फेयर, 2023) और ''द इल्यूज़री वर्ल्ड'' (2019) शामिल हैं।

- सगाई पार्टी, रणथंभौर के शेर बाग होटल में ठहरी है तथा 2 जनवरी तक वहीं रहेगी।
- रेहान व अवीवा दोनों का पैशन है, ''फोटोग्राफी''। अवीवा ने दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से अपनी प्रारंभिक पढ़ाई पूरी की है तथा उसके बाद मीडिया कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म की शिक्षा पाई है, ओपी जिंदल ग्लोबल युनिवर्सिटी में।

पुतिन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोमवार सुबह फोन पर बातचीत के दौरान इस कथित हमले के बारे में जानकर वे ''बहुत गुस्से में'' थे।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा ''यह एक बात है कि हमला किया जाए,'' लेकिन उनके घर पर हमला किया जाए, यह अलग बात है। यह ऐसा समय नहीं है, जब ऐसी कोई कार्रवाई की जाए। और मैंने आज सुबह राष्ट्रपति पुतिन से इसके बारे में सुना। मुझे इस पर बहुत गुस्सा आया।''

ट्रंप की यह टिप्पणी रविवार को फ्लोरिडा में राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के साथ हुई उनकी बैठक के बाद आई। उक्त बैठख के बाद उन्होंने कहा था कि दोनों पक्ष ''काफी करीब आ चुके हैं, शायद बहुत करीब'' हैं, युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के लिए।

'कांस्टेबल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा गया कि उसकी ऊंचाई 150.2 सेमी और वजन 45.95 किलोग्राम मापा गया, जबकि उसकी वास्तविक ऊंचाई 152 सेमी और वजन 49.12 किलोग्राम है। याचिका में कहा गया कि विभाग की ओर से उसकी ऊंचाई और वजन को गलत मापने के कारण उसे भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर चयन से वंचित कर दिया गया है। ऐसे में निष्पक्ष मेडिकल बोर्ड से उसका पुन: मेडिकल कराया जाए और उसे कांस्टेबल पद पर नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एसएमएस अस्पताल अधीक्षक को पुन: मेडिकल करने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय बिल लौटाया

राष्ट्रपति के इस फैसले को तमिलनाडु की स्टालिन सरकार के लिए झटका माना जा रहा है

चेन्नई, 30 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय विधेयक को वापस लौटा दिया है, जिसे एम.के. स्टालिन सरकार के लिए एक झटके के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक का उद्देश्य राज्य संचालित मद्रास विश्वविद्यालय में कुलपतियों को नियुक्त करने और उन्हें हटाने की शक्तियों को राज्यपाल से छीनना था। तमिलनाडु विधानसभा ने अप्रैल 2022 में इस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था, जिसका लक्ष्य 168 साल पुराने इस विश्वविद्यालय का नियंत्रण अपने हाथ में लेना था। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से अधिक समय से यह विश्वविद्यालय बिना किसी कुलपति के चल रहा है।

राष्ट्रपति ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक को पुनर्विचार के लिए अब वापस विधायिका के पास भेज दिया है। यह विधेयक मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने का प्रयास करता है, जिसके तहत अधिनियम में कुलाधिपति शब्द को सरकार से बदलकर कुलपति नियुक्त करने और हटाने की शक्ति राज्यपाल से राज्य सरकार को हस्तांतरित की जानी है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने इसे राष्ट्रपति के पास तब भेजा था, जब राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि राज्यपाल इस विधेयक को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी कर रहे थे। यह विधेयक उन विधेयकों के समूह में पहला था, जिन्हें सदन में राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की राज्यपाल की शक्तियों को छीनने और वह शक्ति राज्य सरकार (मुख्यमंत्री) को सौंपने के लिए पारित किया गया था। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब राज्यपाल ने कुलपति चयन पैनल में राज्यपाल, सरकार और विश्वविद्यालय के नामांकित व्यक्तियों के अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एक प्रतिनिधि को शामिल करने पर जोर दिया था।

- इस बिल में कुलपति को नियुक्त करने व हटाने की शक्ति राज्यपाल से छीनकर राज्य सरकार को देने का प्रावधान है।
- तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी इसे मंजूरी नहीं दी थी तब स्टालिन सरकार सुप्रीम कोर्ट तक चली गई थी।

दिल्ली में भारी ठंड और प्रदूषण की मार

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्लीवासियों को मंगलवार सुबह ठंड और प्रदूषण से कोई राहत नहीं मिली और राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में था, जिससे कई लोगों को आसानी से सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज सुबह लगभग नौ बजे राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई स्तर 389 था, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है, जबकि आनंद विहार, अशोक विहार, चांदनी चौक, जहांगीपुरी, नेहरू नगर, नॉर्थ कैंपस, रोहिणी और वजीरपुर सहित कई स्थानों पर एक्यूआई स्तर 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहने का अनुमान है।

- मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को हालात और बिगड़ने की चेतावनी दी।

राहुल गांधी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति का इस्तेमाल कर सचिन पायलट को पीसीसी अध्यक्ष बनने से रोकें और डोटासरा को ही इस पद पर बनाए रखें।

बताया जाता है कि पार्टी के शीर्ष स्तर पर वेणुगोपाल राहुल गांधी से अपनी नज़दीकी का इस्तेमाल कर अपना एजेंडा चला रहे हैं और अपनी मर्जी के हिसाब से नेताओं को बढ़ावा दे रहे हैं या उन्हें नीचा दिखा रहे हैं। राहुल गांधी पार्टी और संगठन के छोटे-छोटे मामलों में दखल नहीं देते हैं और उन्होंने लगभग पूरी पार्टी के सी वेणुगोपाल को सौंप दी है।

इससे मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेता नाराज हैं,'' जिससे राहुल गांधी दबाव में आ गए हैं।

नए साल में ऐसा बहुत कुछ देखने को मिल सकता है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचालन शुरू कर दिया गया था।

कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं, वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं।

कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है, जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है।

इंडिगो को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही कंपनी द्वारा लिये गये इनपुट टैक्स क्रेडिट को भी अवैध बताया गया है। एयरलाइंस ने पुख्ता विश्वास जताया है कि जीएसटी विभाग द्वारा जारी आदेश ''त्रुटिपूर्ण और कानून के खिलाफ'' है।

ताइवान सीमा पर चीन का भारी सैन्य अभ्यास

ताइपे, 30 दिसंबर। ताइवान के आसपास के हवाई क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र में मंगलवार सुबह तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 130 विमान, 14 नौसैनिक जहाज और आठ सरकारी जहाज देखे गये हैं।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों में से 90 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्रों (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गये। इन गतिविधियों के मद्देनजर ताइवान के अधिकारियों ने एक आपातकालीन परिचालन केन्द्र स्थापित किया है और वे हाई अलर्ट पर हैं।

यह ताज़ा गतिविधि चीन द्वारा सोमवार को शुरू किये गये बड़े पैमाने के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच सामने आई है। जस्टिस मिशन 2025 कोड नाम वाले इस अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता चाहने वाली अलगाववादी ताकतों और विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ एक चेतावनी है।

चीन के कोस्ट गार्ड ने दो अन्य क्षेत्रों पर अपना दावा किया है, जबकि ताइवानी इंटेलिजेंस के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हिसएह जिह-शेंग ने कहा कि चीन के पांच क्षेत्र ताइवान की 12-नॉटिकल मील (22 किमी) की क्षेत्रीय समुद्री सीमा के भीतर आते हैं।

- अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी दी कि चीन असल में ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है
- ताइवान ने चीन के सैन्य अभ्यास पर चिंता जताई पर कहा कि चीन का हमला हुआ तो ताइवान जवाब देने को तैयार है।

1943 में 30 दिसंबर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुसंख्यक समुदाय को लुभाने के लिए वे खुले तौर पर कुछ हिंदू कार्यक्रमों का सहारा ले रही हैं।

आज कोलकाता में एक सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य पर शासन कर रही है और इस दौरान उसने बंगाल को पूरी तरह तबाह कर दिया है। तृणमूल शासन में डर, धमकी, कुशासन और सीमा पार से घुसपैठ को बढ़ावा मिला है।

भाजपा नेता ने अपने भाषण का मुख्य मुद्दा घुसपैठ को बनाया, जो बंगाल के दूसरे हिस्से में हो रही घटनाओं के कारण बेहद संवेदनशील हो गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं की लिंचिंग, उन पर लगातार हमले और पड़ोसी देश की अस्थिर स्थिति से सीमावर्ती राज्य अनजान नहीं रह सकता।

मामले अब और भी जटिल हो गए हैं, क्योंकि कुछ बांग्लादेशी नेताओं ने एक ग्रेटर बंगाल बनाने के लिए देश के कुछ हिस्सों को जबरन लेने की बात कही है। भले ही यह बात हास्यस्पद थी, लेकिन इस बयानबाजी को नज़रअंदाज नहीं किया गया और बनर्जी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी, जिसे मुसलमानों ने पसंद नहीं किया।

शाह ने कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में इतनी भारी घुसपैठ हुई है कि यह अब केवल राज्य की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा पर इसका असर पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर न केवल घुसपैठ रोकी जाएगी, बल्कि ममता बनर्जी के शासन में घुसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाएगा। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार और जबरन वसूली सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के बंगाल प्रशासन का पर्याय बन चुके हैं, जिससे राज्य का विकास रुक गया है। भाजपा सरकार इस प्रक्रिया को पलट देगी और राज्य के विकास के रास्ते खोलेगी।

नतीजा यह है कि आज बंगाल आर्थिक प्रगति और विकास की कमी से जूझ रहा है, जबकि देश के बाकी हिस्से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले साल अप्रैल में चुनाव के बाद जब भाजपा सत्ता में आएगी तो राज्य में तेज विकास होगा।

बांग्लादेश की स्थिति राज्य में खास तौर पर संवेदनशील माहौल बना रही है। अल्पसंख्यकों के साथ बदसलूकी और डराने-धमकाने की खबरें आ रही हैं। इसके अलावा बांग्लादेश अब सिलीगुड़ी के पास उत्तर-पूर्वी राज्यों को जोड़ने वाले पतले भूभाग, जिसे ''चिकन्स नैक'' कहा जाता है, को लेकर खुले तौर पर भड़काऊ बयान दे रहा है।

बांग्लादेश ने दावा किया है कि वह इस गलियारे पर कब्जा कर उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्सों से काट देगा। उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ नेताओं ने भी इस अशांत माहौल में कड़े जवाब देने शुरू कर दिए हैं।

कुल मिलाकर राज्य राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर बढ़ रहा है और इससे पूरी तरह से नए समीकरण बन रहे हैं।

- बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ खुल्लम-खुल्ला मारपीट व हत्या व आगजनी की घटनाओं के कारण, बांग्लादेशियों के घुसपैठियों का मामला, जनता की दुखती नब्ज़ को समझ में आ रहा है और ममताजी पहली बार घुसपैठियों को खुला प्रश्रय व समर्थन देने में कतरा रही हैं।
- राजनीतिक स्थिति उलझी हुई है तथा और उलझती जा रही है, ऐसे में आगामी अप्रेल में होने वाले इलैक्शन में चुनावी संघर्ष काफी गंभीर होगा तथा पहली बार ममताजी पर गाज गिर सकती है।

खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

नयी दिल्ली, 30 दिसम्बर। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बंगलादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डा. जयशंकर के बेगम ज़िया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे मौजूदा हालात में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

सिंधु जल विवाद पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंजूरी मिलने से निर्माण कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है और इसकी अनुमानित लागत 3,200 करोड़ रुपये बताई गई है।

दुलहस्ती स्टेज-2 की योजना मौजूदा 390 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज-1 परियोजना के विस्तार के रुप में बनाई गई है, जिसे 2007 में शुरू किया गया था। नई योजना के तहत, स्टेज-1 स्टेशन से 3,685 मीटर लंबी सुरंग के जरिये पानी का बहाव मोड़ा जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले के बाद, भारत ने सिंधु बेसिन में कई जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण की योजनाएं तेज कर दी हैं, जिनमें रैटल, बर्सर, पकल दुल, क्वार, किरु, कीर्थल-1 और 2 तथा सावलकोट स्थित परियोजनाएं शामिल हैं। भारत ने सावलकोट को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया है।

चूँकि पाकिस्तान की कृषि सिंधु नदी के पानी पर काफी निर्भर है, इसलिये इस्लामाबाद ने आरोप लगाया है कि भारत "पानी को हथियार बना रहा है" और चेतावनी दी है कि भारत द्वारा पानी के बहाव को रोकने वाला कोई भी कदम "युद्ध जैसा कदम" माना जाएगा। बाद में पाकिस्तान ने भारत से संधि बहाल करने और शर्तों को फिर से तय करने के लिए संवाद का प्रस्ताव भी रखा। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पत्र लिखकर भारत पर पानी को हथियार के रुप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इस्लामाबाद का दावा है कि भारत द्वारा सिंधु के पानी को अचानक रोकने और छोड़ने से जल प्रवाह में भारी गिरावट आई है, जिससे बुवाई के अहम मौसम में खेती के लिये संकट पैदा हो गया है। उसने चेतावनी दी है कि यदि इन जीवनरेखाओं (नदियों) में लंबे समय तक रुकावट आई तो इससे देश की खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका पर गहरा असर पड़ेगा और इसे ''गंभीर और शत्रुतापूर्ण कार्यवाही'' माना जाएगा।

- सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद से भारत ने चेनाब, झेलम व सिंधु पर कई तरह के प्रोजैक्ट्स शुरु करने की योजना बनाई है, ताकि पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोका जा सके।

सेना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हल्का, ट्विन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है।

ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर जोड़े गए हैं। इनमें क्रैशवर्थी सीटें, सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और ट्विन-इंजन सेटअप शामिल है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908